पाठ 21. हवा रानी को चाहिए बदलाव

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाना है। बच्चों को ध्यान पर्यावरण प्रदूषण के कारणों तथा इसकी रोकथाम की ओर दिलाया जा रहा है। इस पाठ के माध्यम से बच्चे यह भी जान पाएँगे कि ज्वालामुखी कैसे बनता है तथा हवा में कौन-कौन-सी गैसें मिली होती हैं।

पाठ का सारांश

एक दिन हवा ने स्वयं को बदलने का निश्चय किया। हवा में नाइट्रोजन, ऑक्सीजन तथा कार्बन डाइआक्साइड गैसें होती हैं। हवा अब इन गैसों के स्थान पर अन्य गैसें चाहती थी। वह अपने को बदलने निकल पड़ी। वह समुद्र, सूरज, धरती, ज्वालामुखी पेड़ सभी के पास पहुँची ताकि वे उसे बदल सकें। पर सभी ने उसे अपने अंदर बदलाव करने के लिए मना किया, बहुत समझाया पर वह न मानी। पेड़ों ने कहा यदि वह बदल गई तो जीव-जंतु, पेड़-पौधे सभी मर जाएँगे। वह उन सभी की बात अनसुनी कर वहाँ से आगे बढ़ गई। रास्ते में उसे एक गिलहरी मिली। हवा में उसे भी बताया कि वह स्वयं को बदलना चाहती है। गिलहरी ने हवा से कहा कि पर मनुष्य तो तुम्हें पहले ही बदल चुका है। गिलहरी की पूरी बात सुने बिना हवा मनुष्य को ढूँढ़ने शहर की ओर चल दी। जैसे ही वह शहर में घुसी काला धुआँ उसके मुँह पर आ चिपका जिससे हवा का दम घुटने लगा। चारों ओर वाहनों से निकला प्रदूषण, शोर से उसका सिर चकराने लगा। हवा वहाँ से निकल भागी और एक गाँव के खुले वातावरण में जाकर साँस ली। वह समझ गई कि मनुष्य ने तो पहले ही उसकी गैसों का संतुलन बिगाड़ दिया है। अब उसे बदलाव की कोई आवश्यकता नहीं, आवश्यकता है मनुष्य द्वारा किए जा रहे प्रदूषण को रोकने की।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से प्रदूषण के प्रकार की चर्चा करें। पाठ का वाचन करें।

- बच्चों से जाने कि प्रदूषण कैसे उत्पन्न होता है?
- पूछें, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण आदि से क्या-क्या हानियाँ हो सकती हैं।
- बच्चों से पाठ का मूल भाव बताने को कहें।
- पर्यावरण की रक्षा के लिए तुम क्या-क्या करोगे?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।